विश्व-प्रभुत्व के लिए वैश्वीकरणवादी योजना

बिशप*
GARLAND F. BYERS, JR., J.D., D.D.‡
जातियों के लिए बिशप, प्रेरितिक आदेश के अधीन

यद्यपि ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह हो सकते हैं जो मानते हैं कि एक विश्व सरकार सांसारिक अर्थ में मानवजाति की बेहतर सेवा करेगी, और जो ऐसी एक विश्व सरकार की पवित्रता या अपवित्रता के विषय में कोई आत्मिक धारणा नहीं रखते, फिर भी बिशप का विश्वास है कि कुछ वैश्वीकरणवादी समूह जान-बूझकर एक विश्व सरकार की खोज में हैं, ताकि अंत के समय और मसीह-विरोधी के शासन का आरम्भ हो।[1] बिशप का विश्वास है कि ये वैश्वीकरणवादी समूह, जो ऐसे लोगों से बने हैं जिन्हें केवल एक शैतानी अभिजात वर्ग ही कहा जा सकता है, गुप्त रूप से मिलते हैं, किसी बाहरी व्यक्ति को अपनी कार्यवाही देखने नहीं देते, अपनी कार्यवाही या चर्चाओं का कोई अभिलेख या कार्यवृत्त नहीं रखते, और ऐसी कार्यसूची पर चलते हैं जो बिशप की दृष्टि में बाइबल की भविष्यवाणी से पूरी तरह मेल खाती है।[2] यद्यपि सांसारिक संचार-माध्यमों में, और संयुक्त राज्य अमेरिका के कुछ मसीही इवैंजेलिकल मंडलों में भी, इन समूहों के विषय में बहुत कुछ प्रकाशित हुआ है, फिर भी माना जाता है कि किसी भी कलीसियाई सम्प्रदाय या प्रेरितिक बिशप ने कलीसिया की ओर से किसी वक्तव्य में इन घटनाक्रमों, इन व्यक्तियों और इन कार्यसूचियों पर कुछ नहीं कहा है।[3] ये व्यक्ति और समूह एक विश्व-व्यवस्था की खोज में हैं, जिसकी चर्चा होती रही है और जिसे सामान्यतः नई विश्व व्यवस्था (New World Order) कहा जाता है।[4] नई विश्व व्यवस्था के समर्थक हर राष्ट्र की संप्रभुता को नष्ट करना और सब राष्ट्रों को एक विश्व परिषद के नियंत्रण के अधीन करना चाहते हैं, जो, जैसा भविष्यवाणी संकेत करती है, आगे चलकर एक मनुष्य के नियंत्रण में बदल जाएगी, और वह मनुष्य मसीह-विरोधी है।[5] यह परियोजना यह घोषणा करना चाहती है कि यीशु मसीह की कलीसिया पृथ्वी पर मसीह की देह है,[6] कि यीशु मसीह राजाओं के राजा और प्रभुओं के प्रभु हैं, और कि वे राज्य करते हैं।[7] जैसा स्वामी ने अपनी कलीसिया की स्थापना के समय कहा: "...अधोलोक के फाटक उस पर प्रबल न होंगे।"[8]

टिप्पणियाँ

1

“हे लड़कों, यह अन्तिम समय है, और जैसा तुम ने सुना है, कि मसीह का विरोधी आनेवाला है, उसके अनुसार अब भी बहुत से मसीह के विरोधी उठे हैं; इससे हम जानते हैं, कि यह अन्तिम समय है।” 1 यूहन्ना 2:18 (IRV)। “और जो कोई आत्मा यीशु को नहीं मानती, वह परमेश्वर की ओर से नहीं है; यही मसीह के विरोधी की आत्मा है; जिसकी चर्चा तुम सुन चुके हो, कि वह आनेवाला है और अब भी जगत में है।” 1 यूहन्ना 4:3 (IRV)। “क्योंकि अधर्म का भेद अब भी कार्य करता जाता है, पर अभी एक रोकनेवाला है, और जब तक वह दूर न हो जाए, वह रोके रहेगा। तब वह अधर्मी प्रगट होगा, जिसे प्रभु यीशु अपने मुँह की फूँक से मार डालेगा, और अपने आगमन के तेज से भस्म करेगा। उस अधर्मी का आना शैतान के कार्य के अनुसार सब प्रकार की झूठी सामर्थ्य, चिन्ह, और अद्भुत काम के साथ...” 2 थिस्सलुनीकियों 2:7–9 (IRV)। “फिर उन्होंने कहा, “आओ, हम एक नगर और एक मीनार बना लें, जिसकी चोटी आकाश से बातें करे, इस प्रकार से हम अपना नाम करें, ऐसा न हो कि हमको सारी पृथ्वी पर फैलना पड़े।” जब लोग नगर और गुम्मट बनाने लगे; तब उन्हें देखने के लिये यहोवा उतर आया। और यहोवा ने कहा, “मैं क्या देखता हूँ, कि सब एक ही दल के हैं और भाषा भी उन सब की एक ही है, और उन्होंने ऐसा ही काम भी आरम्भ किया; और अब जो कुछ वे करने का यत्न करेंगे, उसमें से कुछ भी उनके लिये अनहोना न होगा।” उत्पत्ति 11:4–6 (IRV)। “उन्होंने अजगर की पूजा की, क्योंकि उसने पशु को अपना अधिकार दे दिया था, और यह कहकर पशु की पूजा की, “इस पशु के समान कौन है? कौन इससे लड़ सकता है?”” प्रकाशितवाक्य 13:4 (IRV)। “उसे यह अधिकार दिया गया, कि पवित्र लोगों से लड़े, और उन पर जय पाए, और उसे हर एक कुल, लोग, भाषा, और जाति पर अधिकार दिया गया। पृथ्वी के वे सब रहनेवाले जिनके नाम उस मेम्ने की जीवन की पुस्तक में लिखे नहीं गए, जो जगत की उत्पत्ति के समय से घात हुआ है, उस पशु की पूजा करेंगे।” प्रकाशितवाक्य 13:7–8 (IRV)।

2

“कुकर्मियों की गोष्ठी से, और अनर्थकारियों के हुल्लड़ से मेरी आड़ हो। उन्होंने अपनी जीभ को तलवार के समान तेज किया है, और अपने कड़वे वचनों के तीरों को चढ़ाया है; ताकि छिपकर खरे मनुष्य को मारें; वे निडर होकर उसको अचानक मारते भी हैं। वे बुरे काम करने को हियाव बाँधते हैं; वे फंदे लगाने के विषय बातचीत करते हैं; और कहते हैं, “हमको कौन देखेगा?” वे कुटिलता की युक्ति निकालते हैं; और कहते हैं, “हमने पक्की युक्ति खोजकर निकाली है।” क्योंकि मनुष्य के मन और हृदय के विचार गहरे है।” भजन संहिता 64:2–6 (IRV)। “वे चतुराई से तेरी प्रजा की हानि की सम्मति करते, और तेरे रक्षित लोगों के विरुद्ध युक्तियाँ निकालते हैं। उन्होंने कहा, “आओ, हम उनका ऐसा नाश करें कि राज्य भी मिट जाए; और इस्राएल का नाम आगे को स्मरण न रहे।” उन्होंने एक मन होकर युक्ति निकाली है, और तेरे ही विरुद्ध वाचा बाँधी है।” भजन संहिता 83:3–5 (IRV)। “हाय उन पर जो अपनी युक्ति को यहोवा से छिपाने का बड़ा यत्न करते, और अपने काम अंधेरे में करके कहते हैं, “हमको कौन देखता है? हमको कौन जानता है?”” यशायाह 29:15 (IRV)। “और दण्ड की आज्ञा का कारण यह है कि ज्योति जगत में आई है, और मनुष्यों ने अंधकार को ज्योति से अधिक प्रिय जाना क्योंकि उनके काम बुरे थे। क्योंकि जो कोई बुराई करता है, वह ज्योति से बैर रखता है, और ज्योति के निकट नहीं आता, ऐसा न हो कि उसके कामों पर दोष लगाया जाए।” यूहन्ना 3:19–20 (IRV)। “और अंधकार के निष्फल कामों में सहभागी न हो, वरन् उन पर उलाहना दो। क्योंकि उनके गुप्त कामों की चर्चा भी लज्जा की बात है।” इफिसियों 5:11–12 (IRV)। “कुछ छिपा नहीं, जो प्रगट न हो; और न कुछ गुप्त है, जो जाना न जाए, और प्रगट न हो।” लूका 8:17 (IRV)।

गुप्त समाजों पर पोप का एक पूर्व-उदाहरण

“ऐसी बहुत सी बातें हैं जो भेदों के समान हैं, जिन्हें अत्यन्त सावधानी से छिपाना पक्का नियम है, न केवल बाहरी लोगों से, बल्कि बहुत से सदस्यों से भी; जैसे उनकी गुप्त और अन्तिम योजनाएँ, मुख्य अगुवों के नाम, और कुछ गुप्त और भीतरी सभाएँ...” “उम्मीदवारों को सामान्यतः यह प्रतिज्ञा करने की, नहीं, एक विशेष शपथ के साथ यह शपथ खाने की आज्ञा दी जाती है कि वे कभी, किसी व्यक्ति को, किसी समय या किसी रीति से, सदस्यों, संकेत-शब्दों, या चर्चा किए गए विषयों को प्रगट नहीं करेंगे।” “...फ्रीमेसन, प्राचीन काल के मानीकियों के समान, जहाँ तक सम्भव हो, स्वयं को छिपाने का, और अपने ही सदस्यों के सिवा किसी गवाह को भीतर न आने देने का प्रयत्न करते हैं।” (अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) पोप लियो XIII, Humanum Genus, फ्रीमेसनरी पर विश्वपत्र, 20 अप्रैल 1884, खंड 9 (Vatican City: Libreria Editrice Vaticana), vatican.va।

3

"मैंने तुम्हें साँपों और बिच्छुओं को रौंदने का, और शत्रु की सारी सामर्थ्य पर अधिकार दिया है; और किसी वस्तु से तुम्हें कुछ हानि न होगी।" लूका 10:19 (IRV)। "मैं तुझे स्वर्ग के राज्य की कुँजियाँ दूँगा: और जो कुछ तू पृथ्वी पर बाँधेगा, वह स्वर्ग में बँधेगा; और जो कुछ तू पृथ्वी पर खोलेगा, वह स्वर्ग में खुलेगा।" मत्ती 16:19 (IRV)। "परन्तु यदि पहरुआ यह देखने पर कि तलवार चलने वाली है नरसिंगा फूँककर लोगों को न चिताए, और तलवार के चलने से उनमें से कोई मर जाए, तो वह तो अपने अधर्म में फँसा हुआ मर जाएगा, परन्तु उसके खून का लेखा मैं पहरुए ही से लूँगा।" यहेजकेल 33:6 (IRV)। "गला खोलकर पुकार, कुछ न रख छोड़, नरसिंगे का सा ऊँचा शब्द कर; मेरी प्रजा को उसका अपराध अर्थात् याकूब के घराने को उसका पाप जता दे।" यशायाह 58:1 (IRV)।

4

"इन संकटपूर्ण समयों में से हमारा पाँचवाँ उद्देश्य, एक नई विश्व व्यवस्था, उभर सकता है: एक नया युग, आतंक के भय से अधिक मुक्त, न्याय की खोज में अधिक सशक्त, और शान्ति की खोज में अधिक सुरक्षित। एक ऐसा युग जिसमें संसार के राष्ट्र, पूर्व और पश्चिम, उत्तर और दक्षिण, समृद्ध हो सकें और मेल-मिलाप से रह सकें।" (अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) जॉर्ज एच. डब्ल्यू. बुश (George H. W. Bush), "Address Before a Joint Session of the Congress on the Persian Gulf Crisis and the Federal Budget Deficit," 11 सितम्बर 1990, प्रतिलिपि, Miller Center, University of Virginia। (यह उद्धरण "New World Order" वाक्यांश का प्रमाण देता है, वक्ता की मान्यताओं का नहीं।)

5

"उसने एक ही मूल से मनुष्यों की सब जातियाँ सारी पृथ्वी पर रहने के लिये बनाई हैं; और उनके ठहराए हुए समय और निवास के सीमाओं को इसलिए बाँधा है..." प्रेरितों के काम 17:26 (IRV)। "जब परमप्रधान ने एक-एक जाति को निज-निज भाग बाँट दिया, और आदमियों को अलग-अलग बसाया, तब उसने देश-देश के लोगों की सीमाएँ इस्राएलियों की गिनती के अनुसार ठहराई।" व्यवस्थाविवरण 32:8 (IRV)। "इस प्रकार यहोवा ने उनको वहाँ से सारी पृथ्वी के ऊपर फैला दिया; और उन्होंने उस नगर का बनाना छोड़ दिया। इस कारण उस नगर का नाम बाबेल पड़ा; क्योंकि सारी पृथ्वी की भाषा में जो गड़बड़ी है, वह यहोवा ने वहीं डाली, और वहीं से यहोवा ने मनुष्यों को सारी पृथ्वी के ऊपर फैला दिया।" उत्पत्ति 11:8–9 (IRV)। "जो दस सींग तूने देखे वे दस राजा हैं; जिन्होंने अब तक राज्य नहीं पाया; पर उस पशु के साथ घड़ी भर के लिये राजाओं के समान अधिकार पाएँगे। ये सब एक मन होंगे, और वे अपनी-अपनी सामर्थ्य और अधिकार उस पशु को देंगे।" प्रकाशितवाक्य 17:12–13 (IRV)। "क्योंकि परमेश्वर उनके मन में यह डालेगा कि वे उसकी मनसा पूरी करें; और जब तक परमेश्वर के वचन पूरे न हो लें, तब तक एक मन होकर अपना-अपना राज्य पशु को दे दें।" प्रकाशितवाक्य 17:17 (IRV)। "उसने कहा, 'उस चौथे जन्तु का अर्थ, एक चौथा राज्य है, जो पृथ्वी पर होकर और सब राज्यों से भिन्न होगा, और सारी पृथ्वी को नाश करेगा, और दाँवकर चूर-चूर करेगा। और उन दस सींगों का अर्थ यह है, कि उस राज्य में से दस राजा उठेंगे, और उनके बाद उन पहलों से भिन्न एक और राजा उठेगा, जो तीन राजाओं को गिरा देगा। और वह परमप्रधान के विरुद्ध बातें कहेगा, और परमप्रधान के पवित्र लोगों को पीस डालेगा, और समयों और व्यवस्था के बदल देने की आशा करेगा, वरन् साढ़े तीन काल तक वे सब उसके वश में कर दिए जाएँगे।" दानिय्येल 7:23–25 (IRV)। "किसी रीति से किसी के धोखे में न आना क्योंकि वह दिन न आएगा, जब तक विद्रोह नहीं होता, और वह अधर्मी पुरुष अर्थात् विनाश का पुत्र प्रगट न हो। जो विरोध करता है, और हर एक से जो परमेश्वर, या पूज्य कहलाता है, अपने आपको बड़ा ठहराता है, यहाँ तक कि वह परमेश्वर के मन्दिर में बैठकर अपने आपको परमेश्वर प्रगट करता है।" 2 थिस्सलुनीकियों 2:3–4 (IRV)।

आरम्भिक कलीसिया

"...जो रोमी साम्राज्य की सत्ता अपने लिये छीन लेगा, और झूठे रूप से अपने आप को मसीह कहलाएगा..." (NPNF2 7 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) यरूशलेम के सिरिल, धर्मशिक्षा-व्याख्यान 15.11, अनु. Edwin Hamilton Gifford, Nicene and Post-Nicene Fathers, द्वितीय श्रृंखला, खंड 7, सं. Philip Schaff और Henry Wace (New York: Christian Literature Publishing, 1894) में। "परन्तु यह उपर्युक्त मसीह-विरोधी तब आएगा जब रोमी साम्राज्य के समय पूरे हो जाएँगे..." (NPNF2 7 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) वही, 15.12। "...उन दस राजाओं के विषय में जो तब उठेंगे, जिनके बीच वह साम्राज्य, जो अभी [पृथ्वी पर] शासन करता है, बाँटा जाएगा..." (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) ल्योन के इरेनियस, विधर्मों के विरुद्ध 5.26.1, अनु. Alexander Roberts और William Rambaut, The

Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 1 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1885) में।

6

“इसी प्रकार तुम सब मिलकर मसीह की देह हो, और अलग-अलग उसके अंग हो।” 1 कुरिन्थियों 12:27 (IRV)। “और सब कुछ उसके पाँवों तले कर दिया और उसे सब वस्तुओं पर शिरोमणि ठहराकर कलीसिया को दे दिया, यह उसकी देह है, और उसी की परिपूर्णता है, जो सब में सब कुछ पूर्ण करता है।” इफिसियों 1:22–23 (IRV)। “अब मैं उन दुःखों के कारण आनन्द करता हूँ, जो तुम्हारे लिये उठाता हूँ, और मसीह के क्लेशों की घटी उसकी देह के लिये, अर्थात् कलीसिया के लिये, अपने शरीर में पूरी किए देता हूँ...” कुलुस्सियों 1:24 (IRV)। “वही देह, अर्थात् कलीसिया का सिर है; वही आदि है और मरे हुओं में से जी उठनेवालों में पहलौठा कि सब बातों में वही प्रधान ठहरे।” कुलुस्सियों 1:18 (IRV)।

आरम्भिक कलीसिया

“जहाँ कहीं बिशप दिखाई दें, वहीं [लोगों की] भीड़ भी हो; जैसे जहाँ कहीं यीशु मसीह हैं, वहीं काथलिक कलीसिया है।” (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) अन्ताकिया के इग्नेशियस, स्मुरना के लोगों के नाम पत्री, अध्याय 8, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 1 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1885) में।

7

“और उसके वस्त्र और जाँघ पर यह नाम लिखा है: “राजाओं का राजा और प्रभुओं का प्रभु।”” प्रकाशितवाक्य 19:16 (IRV)। “ये मेम्ने से लड़ेंगे, और मेम्ना उन पर जय पाएगा; क्योंकि वह प्रभुओं का प्रभु, और राजाओं का राजा है, और जो बुलाए हुए, चुने हुए और विश्वासयोग्य हैं, उसके साथ हैं, वे भी जय पाएँगे।” प्रकाशितवाक्य 17:14 (IRV)। “जिसे वह ठीक समय पर दिखाएगा, जो परमधन्य और एकमात्र अधिपति और राजाओं का राजा, और प्रभुओं का प्रभु है...” 1 तीमुथियुस 6:15 (IRV)। “जब सातवें स्वर्गदूत ने तुरही फूँकी, तो स्वर्ग में इस विषय के बड़े-बड़े शब्द होने लगे: “जगत का राज्य हमारे प्रभु का और उसके मसीह का हो गया और वह युगानुयुग राज्य करेगा।”” प्रकाशितवाक्य 11:15 (IRV)। “मैंने तो अपने चुने हुए राजा को, अपने पवित्र पर्वत सिय्योन की राजगद्दी पर नियुक्त किया है।” भजन संहिता 2:6 (IRV)।

8

“...कि तू पतरस है, और मैं इस पत्थर पर अपनी कलीसिया बनाऊँगा, और अधोलोक के फाटक उस पर प्रबल न होंगे।” मत्ती 16:18 (IRV)। “और उन राजाओं के दिनों में स्वर्ग का परमेश्वर, एक ऐसा राज्य उदय करेगा जो अनन्तकाल तक न टूटेगा, और न वह किसी दूसरी जाति के हाथ में किया जाएगा। वरन् वह उन सब राज्यों को चूर-चूर करेगा, और उनका अन्त कर डालेगा; और वह सदा स्थिर रहेगा...” दानिय्येल 2:44 (IRV)। “तब राज्य और प्रभुता और धरती पर के राज्य की महिमा, परमप्रधान ही की प्रजा अर्थात् उसके पवित्र लोगों को दी जाएगी, उसका राज्य सदा का राज्य है, और सब प्रभुता करनेवाले उसके अधीन होंगे और उसकी आज्ञा मानेंगे।’” दानिय्येल 7:27 (IRV)। “और वह याकूब के घराने पर सदा राज्य करेगा; और उसके राज्य का अन्त न होगा।” लूका 1:33 (IRV)। “इस कारण हम इस राज्य को पाकर जो हिलने का नहीं, उस अनुग्रह को हाथ से न जाने दें, जिसके द्वारा हम भक्ति, और भय सहित, परमेश्वर की ऐसी आराधना कर सकते हैं जिससे वह प्रसन्न होता है।” इब्रानियों 12:28 (IRV)।

परिषदों का विश्वास-वचन

“और वे न्याय करने के लिये, जीवितों और मरे हुओं दोनों का, महिमा के साथ फिर आएँगे। उनके राज्य का अन्त न होगा।” (NPNF2 14 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) 150 पिताओं का विश्वास-वचन (नीकिया-कुस्तुन्तुनिया विश्वास-वचन), कुस्तुन्तुनिया की प्रथम परिषद (381), अनु. Henry R. Percival, Nicene and Post-Nicene Fathers, द्वितीय शृंखला, खंड 14, सं. Philip Schaff और Henry Wace (New York: Christian Literature Publishing, 1900) में।

इस पृष्ठ पर हिंदी में उद्धृत सभी बाइबल-वचन इंडियन रिवाइज्ड वर्जन (IRV) हिंदी, 2019 से लिए गए हैं। कॉपीराइट © 2017, 2018, 2019 Bridge Connectivity Solutions; Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International (CC BY-SA 4.0) लाइसेंस के अंतर्गत। पाठ: ebible.org/hin2017। वचनों के अंश उद्धृत किए गए हैं; लोप-चिह्न (...) छोड़े गए अंश दर्शाते हैं। बाइबल के पाठ में कोई अन्य परिवर्तन नहीं किया गया है।